क्या सिर्फ मंत्री, विधायक, पिछली बार हारे हुओं से मिलना ही स्क्रीनिंग है?

स्क्रीनिंग कमेटी की तीन दिन की कवायद पर कांग्रेसजनों ने ही प्रश्नचिन्ह लगाया

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान कांग्रेस की स्क्रीनिंग समिति 3 दिन से जयपुर में थी। अब 31 अगस्त को उदयपुर में संभाग के सभी जिलों के प्रमुख नेताओं से मुलाकात करेंगी, लेकिन अभी तक तीन दिनों के दौरान स्क्रीनिंग समिति ने जिस तरह से सिर्फ मंत्री, विधायक और 2018 में हारे हुए उम्मीदवारों को बुलाकर ही चर्चा की है, उसके बाद में स्क्रीनिंग समिति को लेकर कांग्रेसजनों में चर्चा है कि यदि यही काम करना था तो इन नेताओं को दिल्ली बुलाकर ही किया जा सकता था।

दरअसल स्क्रीनिंग समिति के सामने अभी तक तीन दिनों में मंत्री विधायक या हारे हुए विधायक या हारे हुए उम्मीदवार आए हैं। इसके अलावा ना तो जिला कांग्रेस के अध्यक्षों को बुलाया गया ना पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्षों को बुलाया गया ना प्रमुख वरिष्ठ कांग्रेस जनों को बुलाकर चर्चा की गई यानी कि जिन लोगों के खिलाफ एंटी इनकंबेंसी की बात हो रही है उन लोगों से बुलाकर यह पूछा जा रहा है कि उनके क्षेत्र में पार्टी कैसे जीतेगी तो लगभग सभी ने एक ही बात कही है कि उसे क्षेत्र में उनके या उनके परिवार के अलावा कोई नहीं जीत सकता। इन नेताओं के अलावा स्क्रीनिंग समिति से मिलने आए लेकिन मुलाकात नहीं करने वाले कांग्रेसजनों का कहना है कि अब यदि स्क्रीनिंग समिति को यही करना था, तो सीधे टिकट दे देते, फिर ब्लॉक से लेकर जिला और प्रदेश तक की प्रक्रिया अपनाने की जरूरत ही क्यों पड़ रही है।

- **स्क्रीनिंग कमेटी ने ना तो जिला कांग्रेस अध्यक्षों से चर्चा की, ना वरिष्ठ कांग्रेसजनों को बुलाकर बात की**

दरअसल अधिकांश नेता या तो खुद के लिए टिकट चाह रहे थे या फिर अपने पुत्र-पुत्री के लिए टिकट मांगने आए थे। शिव से विधायक अमीन खान ने तो स्पष्ट रूप से कहा कि उसे क्षेत्र में वे या उनके परिवार ही कांग्रेस को जीत दिला सकते हैं। इतना ही नहीं उन्होंने तो अपने जिले के अध्यक्ष को कैमरे के सामने चोर तक बता दिया। इस मामले को लेकर फतेहपुर विधानसभा क्षेत्र से टिकट मांग रहे एक पूर्व सरपंच एजाज खान अपने समर्थकों के साथ वार रूम आए लेकिन उन्हें स्क्रीनिंग समिति से मुलाकात नहीं करने दी गई। इसके बाद उन्होंने कहा कि वर्तमान विधायक भ्रष्ट है और कांग्रेस का बड़ा नुकसान कर रहा है यदि उसका टिकट नहीं काटा गया और परिवारवाद से पार्टी को मुक्त नहीं किया गया तो फतेहपुर में पार्टी की बड़ी हार होगी।

इधर स्क्रीनिंग समिति से मिलकर आने वाले एक-दो नेताओं से बात करने पर पता चला कि स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्य लैपटॉप खोलकर बैठते हैं। जो मिलने जाता है, उससे नाम पूछते हैं और 2 मिनट में रवाना कर देते हैं। यानी कि ना तो क्षेत्र के बारे में चर्चा होती है, ना विकल्प को लेकर कोई विचार लिया जाता है। सिर्फ एक औपचारिकता निभाने का काम चल रहा है।

कुल मिलाकर स्क्रीनिंग कमेटी की ओर से जयपुर में रहकर 3 दिन तक जो काम किया गया है, उसे लेकर कांग्रेसजनों में आशंकाएं हैं कि पहले से ही तय कर दिया गया है कि टिकट किसे देनी है। यह पर्यवेक्षकों को बुलाना, जिलों में मीटिंग करना और स्क्रीनिंग कमेटी का इस तरह से सिर्फ मंत्री-विधायकों से बात करना इसी और इशारा कर रहा है। कांग्रेसजनों का कहना है कि यदि ऐसा हुआ, तो निश्चित मानिए कांग्रेस को राजस्थान में इन चुनाव में बड़ा नुकसान होना तय है।

राजस्थान नर्सेज संयुक्त संघर्ष समिति के प्रांतीय आव्हान पर एसएमएस चिकित्सालय परिसर में चल रहे धरना प्रदर्शन के दौरान बुधवार को नर्सेज बहिनों ने नर्सेज भाईयों की कलाई पर राखी बांधीं।

पूर्व मुख्य सचिव राजीव महर्षि की हालात स्थिर

बुधवार को सीटी स्कैन रिपोर्ट में कोई सुधार नजर नहीं आया है।

जयपुर,(कासं)। राजधानी के जेएलएन मार्ग पर मोती डूंगरी स्थित सोनी अस्पताल में आईसीयू में भर्ती राज्य के पूर्व मुख्य सचिव और केन्द्र में पूर्व सी.ए.जी. रहे राजीव महर्षि की हालात स्थित बनी हुई है। उनकी स्थिति में ज्यादा सुधार नहीं होने पर संभवत: उन्हें गुरूवार को दिल्ली के एम्स अस्पताल में शिफ्ट किया जा सकता है।

महर्षि सोमवार को साइकिल से गिरने पर सिर में गंभीर चोट लगने के बाद से सोनी अस्पताल में भर्ती है। यहां उनका आईसीयू में इलाज चल रहा है। डॉक्टर्स के अनुसार अब तक उनकी पिछले तीन दिन में चार सीटी स्कैन करवाई जा चुकी है। बुधवार को की गई सीटी स्कैन रिपोर्ट में कोई सुधार नजर नहीं आया है। उनकी हालात गंभीर व स्थिर बनी हुई है। इससे देखते हुए अब उनके परिजन उन्हें दिल्ली एम्स में भर्ती कराने की तैयारी कर रहे हैं।

- **महर्षि को आज दिल्ली एम्स में शिफ्ट किया जा सकता है।**

संभवत: गुरूवार को उन्हें एयर एम्बुलेंस से दिल्ली एम्स भेजा जाएगा। गौरतलब है कि राजीव महर्षि सोमवार को जेएलएन मार्ग पर साइकिल चलाते हुए गिर गए थे। इस दौरान उनके सिर में गंभीर चोट लग गई थी। जिससे उनके सिर में चोट लगने के कारण इंटरनल ब्लीडिंग हो गई थी और इससे सिर में हेमेटोमा बन गया था। उन्हें गंभीर हालात में मोती डूंगरी स्थित सोनी हॉस्पीटल में भर्ती कराया गया था, जहां उनका आईसीयू में इलाज चल रहा है।

सोमवार को सीटी स्कैन रिपोर्ट में महर्षि के क्लॉट की साइज छोटी थी, लेकिन मंगलवार को दूसरी सीटी स्कैन में क्लॉट की साइज ढाई गुना हो गई है। हालांकि वे अब होश में हैं और बोल चाल रहे हैं।

फैमिली पेंशन क्यों रोकी ?

जयपुर। हाईकोर्ट ने जेवीवीएनएल के पूर्व कर्मचारी की पत्नी को नॉमिनी में नाम नहीं लिखा होने के चलते उसे फैमिली पेंशन नहीं देने पर प्रमुख ऊर्जा सचिव, जेवीवीएनएल के चेयरमैन व एमडी सहित पेंशन विभाग के उपनिदेशक से जवाब तलब किया है। अदालत ने पूछा कि क्यों ना याचिकाकर्ता विधवा को फैमिली पेंशन जारी करने के आदेश दिए जाए।

उदयपुर की रैफल्स होटल में निवेश को लेकर ई.डी. जांच में जुटी

मंगलवार को ई.डी. की टीम ने उदयसागर टापू पर बनी इस पांच सितारा होटल में छापेमारी की थी

जयपुर (कासं)। उदयपुर में उदसागर झील के टापू पर स्थित पांच सितारा रैफल्स होटल में मंगलवार को ईडी की टीम ने दबिश दी थी। अब ई.डी. की टीम यहां से जब्त दस्तावेजों व अन्य सबूतों की जांच में जुटी है। जल्द ही ई.डी. पूछताछ के लिए होटल ग्रुप से जुड़े लोगों को नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए बुला सकती है।

सूत्रों की मानें तो रैफल्स होटल विदेशी होटल ग्रुप की चेन का हिस्सा है और इसमें राजस्थान के बड़े नेताओं के जुड़े होने की जानकारी सामने आयी है। हालांकि अभी तक ईडी ने इस प्रकरण की जानकारी किसी से साझा नहीं की है। ईडी की ओर से आधिकारिक बयान आने के बाद ही साफ़ हो पाएगा कि दबिश क्यों दी गई है?

- **हालांकि अभी तक ई.डी. ने कोई अधिकारिक जानकारी शेयर नहीं की है, लेकिन बताया जा रहा है कि दिल्ली के अफसरों की टीम होटल में निवेश के दस्तावेज जांच रही है।**

सूत्रों की मानें तो दिल्ली तथा राजस्थान की टीमें सर्च की कार्रवाई में जुटी हुई है। हर एंगल पर जांच की जा रही है। होटल से जुड़े लोगों से भी होटल में किए गए निवेश को लेकर भी पूछताछ की जाएगी। अभी तक होटल के कई बड़े लोगों के हिस्सेदारी होने की जानकारी मिली है। होटल के दस्तावेजों के साथ-साथ अन्य ट्रांजेक्शनों को लेकर भी होटल के स्टाफ से पूछताछ जारी है। होटल के निदेशक तथा प्रबंधन से जुड़े लोगों को सर्वे की जानकारी देते हुए सहयोग किए जाने को लेकर कहा गया है। सर्वे में मिले तथ्य अभी सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। बताया जा रहा है कि सर्वे की कार्रवाई अगले कुछ दिनों तक चल सकती है। गौरतलब है कि रैफल्स ग्रुप की इस होटल को कुछ साल पहले उदयसागर झील के टापू पर बनाया गया। इसमें राजस्थान के बड़े राजनेता की हिस्सेदारी की बात कही जा रही है।

बताया जा रहा है कि ईडी को इस होटल से जुड़े जो भी इनपुट्स मिले हैं उसी के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है। माना जा सकता है कि ईडी इस जांच में तमाम तरह के दस्तावेज़ों को तो देखेगी ही, साथ ही होटल मालिकों और इसके निवेशकर्ताओं सहित अन्य संबंधित अधिकारियों से भी पूछताछ करेगी। गौरतलब है कि राजस्थान में समय-समय पर ई.डी. की दबिश को लेकर सीएम अशोक गहलोत नाराज़गी जताते रहे हैं। वे ई.डी. पर केंद्र सरकार के इशारे पर कांग्रेस शासित राज्यों में ही रेड कार्रवाई करने के आरोप लगाते रहे हैं।

दुष्कर्मी को सजा

जयपुर। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने नाबालिग मानसिक दिव्यांग को अपने घर लाकर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त दिलीप को बीस साल की सजा सुनाई है।

आरटीई के तहत प्रवेश नहीं देने वाले 24 नामी स्कूलों की मान्यता पर लटकी तलवार

जिला शिक्षा अधिकारी ने एनओसी वापस लेने का प्रस्ताव शिक्षा विभाग को भेजा

जयपुर। शिक्षा का अधिकार (आरटीई) के तहत प्रवेश नहीं देने वाले निजी स्कूलों के खिलाफ जिला शिक्षा अधिकारी ने बड़ी कार्रवाई करने की प्रक्रिया शुरू की है। शहर के ऐसे 24 निजी स्कूलों की एनओसी वापस लेने की सिफारिश की गई है। जिला शिक्षा अधिकारी राजेंद्र कुमार हंस ने इसका प्रस्ताव बनाकर शिक्षा विभाग को भेज दिया है। अब शिक्षा विभाग इस प्रस्ताव पर विचार करेगा। अगर विभाग ने एक्शन लिया तो स्कूलों की मान्यता पर भी संकट आ सकता है।

विभाग की ओर से जुलाई में आरटीई के तहत बच्चों की प्रवेश प्रक्रिया पूरी की थी। करीब 15 हजार से अधिक स्कूलों में 76 हजार बच्चों को आरटीई के तहत एडमिशन दिया था, लेकिन जयपुर में अधिकतर निजी स्कूलों ने बच्चों को प्रवेश नहीं दिया।

जिला शिक्षा अधिकारी की ओर भेजे गए प्रस्ताव में जयपुर का भारतीय विद्या भवन विद्या आश्रम स्कूल, जयपुर स्कूल, रूकमणि बिरला मॉडन हाई स्कूल, सेंट्रल एकेडमी, वॉरेन एकेडमी स्कूल, संस्कार स्कूल, मॉडन पब्लिक स्कूल, वर्धमान श्री कल्याण इंटरनेशनल स्कूल, वर्धमान इंटरनेशनल स्कूल, ब्राइटलैंड गर्ल्स सीनियर सैकंडरी स्कूल, सीडलींग मॉडन हाई स्कूल, टैगोर इंटरनेशनल स्कूल, श्री माहेश्वरी सी.सै. स्कूल, नीरजा मोदी स्कूल, सीडलींग पब्लिक स्कूल, कपिल ज्ञान पीठ, महाराजा सवाई भवानी सिंह स्कूल, महाराजा सवाई मानसिंह स्कूल, सेंट एडमन्स कॉन्वेट स्कूल, क्रैम्ब्रिज कोर्ट वर्ल्ड स्कूल, ज्ञान विहार स्कूल, द पैलेस स्कूल, डिफेंस पब्लिक स्कूल और भारतीय विद्या भवन आश्रम स्कूल शामिल है।

स्वतन्त्रता सेनानी रामचन्द्र नन्दवाना स्मृति सम्मान अवधेश प्रधान को

जयपुर,(कासं) । साहित्य संस्कृति के संस्थान संभावना द्वारा स्वतन्त्रता सेनानी रामचन्द्र नन्दवाना स्मृति सम्मान की घोषणा कर दी गई है।

संभावना के अध्यक्ष डॉ के सी शर्मा ने बताया कि वर्ष 2023 के लिए स्वतन्त्रता सेनानी रामचन्द्र नन्दवाना स्मृति सम्मान बनारस निवासी प्रसिद्ध आलोचक अवधेश प्रधान को उनकी चर्चित कृति सीता की खोज के लिए दिया जाएगा। डॉ शर्मा ने बताया कि जोशी की यह कृति भारतीय साहित्य की सुदीर्घ परम्परा में सीता जैसे कालजयी चरित्र का विशद अध्ययन है जिसमें संस्कृत साहित्य से लगाकर लोक साहित्य तक व्याप्त सीता के चरित्र का सिंहावलोकन है। वाराणसी निवासी वरिष्ठ हिंदी साहित्यकार प्रो काशीनाथ सिंह, भोपाल निवासी वरिष्ठ हिंदी कवि राजेश जोशी और जयपुर निवासी वरिष्ठ लेखक डॉ दुर्गाप्रसाद अठावाल की चयन समिति ने सर्व सम्मति से इस कृति को सम्मान के योग्य पाया। काशीनाथ सिंह ने वक्तव्य में कहा कि प्रो.अवधेश प्रधान आधुनिक, मध्यकालीन और पौराणिक साहित्य के गम्भीर अध्येता हैं। अनंत रामकथाओं में से सीता के उज्ज्वल चरित्र को खोज निकालना अनूठा कार्य है। उन्होंने कहा कि प्रधान जी की खोज से असहमत तो हुआ जा सकता है,उसे अनदेखा या उसकी उपेक्षा नही की जा सकती। इसके पीछे उनका गहन श्रम है और दृष्टि भी। राजेश जोशी ने अपने वक्तव्य में कहा कि अवधेश प्रधान जैसे विद्वान मध्यकालीन और आदिकालीन भारतीय साहित्य का जिस तरह पुनरावलोकन करते हैं वह हम सबके लिए बहुत उपयोगी और ज्ञानवर्धक है। डॉ दुर्गाप्रसाद अग्रवाल ने अपनी अनुशंसा में कहा कि पांडित्य और गहन शोध के साथ प्रधान जी की सहज-सरल भाषा इस कृति को अविस्मरणीय बनाती है। उन्होंने कहा कि उनका अध्ययन काशी की ज्ञान परम्परा का नया सोपान है।

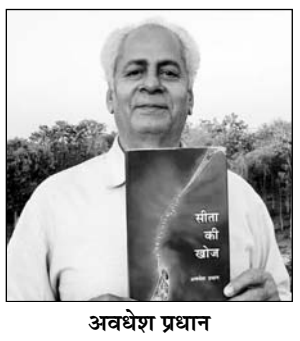

अवधेश प्रधान

डॉ शर्मा ने बताया कि स्वतन्त्रता सेनानी रामचन्द्र नन्दवाना स्मृति सम्मान में कृति के लेखक को ग्यारह हजार रुपये, शाल और प्रशस्ति पत्र भेंट किया जाता है। उन्होंने कहा कि चित्तौड़गढ में दिसम्बर माह में आयोज्य समारोह में वर्ष 2022 के लिए सम्मानित लेखक सोपान जोशी तथा अवधेश प्रधान को आमंत्रित किया जाएगा। संभावना द्वारा स्थापित इस पुरस्कार के संयोजक डॉ कनक जैन ने बताया कि राष्ट्रीय महत्त्व के इस सम्मान के लिए इस वर्ष परछाईं और मध्यकालीन साहित्य की विवेचना पर आधारित कृतियों की अनुशंसा माँगी गई थी जिसमें देश भर से कुल सतरह कृतियां प्राप्त हुई थीं। प्राप्त कृतियों के मूल्यांकन के आधार पर चयन समिति ने अपनी अनुशंसा में सीता की खोज को श्रेष्ठतम कृति घोषित किया। डॉ जैन ने बताया कि बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग से आचार्य के पद से सेवानिवृत्त अवधेश प्रधान की ख्याति भारतीय वांग्मय के गहन अध्येता और विचारक के रूप में है।

सीएम कानून व्यवस्था संभालने में असफल, इसलिए ज्यूडिशियरी को बता रहे हैं भ्रष्ट : सी.पी.जोशी

'गहलोत को चुनाव में सताने लगा हार का डर, अनर्गल बयानबाजी को बनाया बचने का हथियार'

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि उनका ज्यूडिशियरी, संविधान और केंद्र सरकार पर दिया बयान उनकी हताशा, चुनाव में अपनी हार और अपनी सरकार की गलतियों को छिपाने और जनता को गुमराह करने का उद्देश्य मात्र है। संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति का न्यायपालिका पर इस तरह का बयान यह दर्शाता है कि संविधान और देश की न्याय व्यवस्था में इनका कोई विश्वास नहीं है, क्योंकि यह प्रदेश की कानून व्यवस्था को संभालने में पूर्ण रूप से विफल रहे हैं।

जोशी ने कहा कि आप कहते हैं कि संविधान की धज्जियां उड़ा रहे हैं जबकि आप संवैधानिक पद पर बैठे हैं और न्याय व्यवस्था पर प्रश्न उठा रहे हैं। सीएम एसीबी जैसी संस्था में दखलंदाजी नहीं देने की बात करते हैं, जबकि 600 से अधिक मामले मुख्यमंत्री की स्वीकृति नहीं मिलने के कारण लंबित पड़ी हैं और आरोपियों को फिर से वहीं पोस्टिंग दी जा रही है जहां उन्होंने भ्रष्टाचार किया था। आरपीएससी में करोड़ों रुपए लेकर सदस्य बनाए जाते हैं, जो पेपर लीक करवा युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करते हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर भारत में प्रदेश की आर्थिक स्थिति सबसे अच्छी है यह कहकर वह अपनी पीठ थपथपाना चाहते हैं, लेकिन यह आर्थिक संपन्नता कहीं दिखाई क्यों नहीं देती। प्रदेश की बेरोजगारी की दर देश में सबसे अधिक क्यों है। चुनावी वादों के मुताबिक युवाओं को बेरोजगारी भत्ता क्यों नहीं मिला। किसानों की हालत आज भी दयनीय है।

मुख्यमंत्री केंद्र सरकार के लिए बोल रहे हैं कि देश को विश्व गुरु बनाने से पहले अपना घर संभाले। मुख्यमंत्रीजी आप राजस्थान संभाले, आपने पूरे 4.5 साल में प्रदेश को बर्बाद कर दिया आपसे प्रदेश की व्यवस्थाएं नहीं संभल पाई, इस तरह की सलाह आप ना दें तो अच्छा रहेगा।

खोया पाया

गोविन्द विहार गोपालपुरा बाईपास का संविधान एवं रजिस्ट्रेशन की मूल प्रति खो गई है। किसी को प्राप्त हो तो निम्न पते पर पहुंचाने की कृपा करें।
ए.के.चिल्ड्रन्स एकेडमी संस्था, प्लाट नं. 1 व 2, गोविन्द विहार विस्तार, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर मो. 9351972892

उत्तर पश्चिम रेलवे G20

खुली ई-निविदा सूचना

संख्या : जीएसयू/सीपीएम/जयपुर/निविदा सूचना/23-24 दिनांक 28.08.23

मुख्य परियोजना प्रबन्धक गति-शक्ति उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर के द्वारा भारत संघ के राष्ट्रपति एवम् उनकी ओर से ई-निविदा के माध्यम से प्रचलित नियमों के अनुसार निर्धारित प्रपत्रों में निविदा निम्न कार्यो के लिए क्रमानुसार आमंत्रित की जाती है। **क. सं. 1. निविदा संख्या/कार्य का नाम** : गति-शक्ति /इंजी./जय/2023-24/36 उप मुख्य इंजी. (जी.एस.यु.) जयपुर **"अमृत भारत स्टेशन स्कीम"** के सम्बन्ध में दौसा-2, बांदीकुई -2 एवं अलवर - 3 लिफ्टों का प्रावधान। **अनुमानित लागत** : 12534265/- **बयाना राशि** : 212700/- **क. सं. 2. निविदा संख्या/कार्य का नाम** : गति-शक्ति/इंजी./जय/2023-24/37 उप मुख्य इंजी. (जी.एस.यु.) जयपुर **"अमृत भारत स्टेशन स्कीम"** के सम्बन्ध में फुलेरा-2, नीम का थाना-2, रींगस - 1, सीकर - 2 एवं झुन्झुनू-1 लिफ्टों का प्रावधान। **अनुमानित लागत** : 16485799/- **बयाना राशि** : 232400/- **क.सं. 3. निविदा संख्या/कार्य का नाम** : गति-शक्ति/इंजी./जय/2023-24/38 उप मुख्य इंजी. (जी.एस.यु.) जयपुर, फुलेरा-अजमेर अनुभाग के किशनगढ़ में कि.मी. 266/0-1 पर आरयूबी के निर्माण के सम्बन्ध में 02 यूनिट टाईप- III क्वाटर का कार्य। **अनुमानित लागत** : 3327285/- **बयाना राशि** :66500/- **क. सं. 4. निविदा संख्या/ कार्य का नाम** : गति-शक्ति/एस एण्ड टी/जय/2023-24 /39 उप मुख्य संकेत एवं दूर संचार इंजी. (जी.एस.यु.) जयपुर - पुराने किशनगढ़ स्टेशन पर कि.मी. 266/0-1 पर आरयूबी के निर्माण के सम्बन्ध में दूरसंचार कार्य। **अनुमानित लागत** :1069148/- **बयाना राशि** : 21400/- **1.** उपरोक्त निविदाओं का पूर्ण विवरण वेब साइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। नोटिस बोर्ड मुख्य परियोजना प्रबन्धक गति-शक्ति उत्तर पश्चिम रेलवे, जयपुर के कार्यालय में देखी जा सकती है। **2 निविदा स. गति-शक्ति/इंजी./जय/2023- 24/36** से **गति-शक्ति/इंजी./जय/2023-24/38** और **गति-शक्ति/एस एण्ड टी /जय/2023-24/39** तक की बन्द होने की तिथि 21.09.23 समय 15.30 बजे एवं खुलने की तिथी 21.09.23 समय 16.00 बजे।

923-DG/23

हमें /NWRailways NWRailways पर फॉलो करें

रोडवेज बसों में आज भी महिलाओं के लिये फ्री यात्रा

जयपुर, (कासं)। बुधवार को रक्षाबंधन के अवसर पर मुख्यमंत्री आवास पर प्रथम गारन्टी कार्ड एवं पहला 500 रूपए का सिलेण्डर प्राप्त करने वाली महिला लाभार्थियों ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की कलाई पर रक्षासूत्र बांधा।

गहलोत ने महिलाओं को रक्षाबंधन के अवसर पर दी गई रोडवेज बस किराये में शत-प्रतिशत छूट को 31 अगस्त तक जारी रखने की घोषणा की।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

पिछले विधानसभा चुनावों में 26 सीटों पर बड़े अंतराल से हारी थी कांग्रेस

इन सीटों पर नए विकल्पों पर पार्टी कर रही है विचार

जयपुर, (का.प्र.)। कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी के सामने यह बात प्रमुख रुप से आई है कि 2018 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के पक्ष में राजस्थान में बेहतर माहौल था। उसके बावजूद बहुत सारे ऐसे उम्मीदवार हैं, जो कि बड़े अंतर से चुनाव हार गए। प्रदेश चुनाव समिति में यह बात आई और प्रदेश चुनाव समिति के अधिकांश सदस्यों की राय यही रही है कि जो लोग कांग्रेस की हवा में बड़ा अंतराल नहीं पाट पाए। इस बार किसी भी स्थिति में वे जीत नहीं पाएंगे। ऐसे लोगों की टिकट काटकर नए लोगों को मौका देना चाहिए।

2018 के विधानसभा चुनाव में 20 हजार के आसपास से लेकर 74 हजार तक कांग्रेस के कई उम्मीदवार हारे थे। इनमें शाहपुरा भीलवाड़ा से महावीर प्रसाद सबसे ज्यादा 74 हजार वोटों से भाजपा के कैलाश मेघवाल से हारे थे। वहीं बस्सी से दौलत मीणा 64 हजार से ज्यादा वोट से, किशनगढ़, अजमेर से नंदाराम 67 हजार से ज्यादा से और सिरोही से जिला कांग्रेस अध्यक्ष जीवाराम आर्य 66 हजार से ज्यादा वोटों से हारे थे।

इनके अलावा जिन लोगों के टिकट पर संकट के बादल हैं क्योंकि यह सभी कांग्रेस की हवा के बावजूद बड़े अंतराल से चुनाव हार गए उन लोगों में 2018 विधानसभा चुनाव में डूंगरगढ़ से मंगलाराम गोदारा 24 हजार से ज्यादा, विद्याधर नगर से सीताराम अग्रवाल 32 हजार से ज्यादा, सांगानेर से पुष्पेंद्र भारद्वाज 35 हजार से ज्यादा, अलवर शहर से श्वेता सैनी 22 हजार से ज्यादा, धौलपुर से शिवचरण कुशवाहा 19 हजार से ज्यादा, सोजत से शोभा सोलंकी 32 हजार से ज्यादा, सुमेरपुर से रंजू रामावत करीब 33 हजार, आहोर से सवाराम पटेल 31 हजार से ज्यादा, जालौर से मंजू मेघवाल 35 हजार से ज्यादा, पिंडवाड़ा आबू से लालाराम 26 हजार से ज्यादा, उदयपुर ग्रामीण से विवेक कटारा 18 हजार से ज्यादा, मावली से पुष्कर डांगी 26 हजार से ज्यादा, सलूंबर से रघुवीर मीणा 21 हजार से ज्यादा, धरियाबद से गौतम लाल मीणा 23 हजार से ज्यादा, घड़ी से कांता भील 24 हजार से ज्यादा, चित्तौड़गढ़ से सुरेंद्र जाड़ावत 23 हजार से ज्यादा, राजसमंद से नारायण सिंह भाटी 24 हजार से ज्यादा, भीलवाड़ा से ओमप्रकाश नारायनीवाल 49 हजार से ज्यादा, लाडपुरा से गुलनाज गुड्डू 22 हजार से ज्यादा, डग से मदनलाल 19 हजार से ज्यादा, झालरापाटन से मानवेंद्र सिंह 34 हजार से ज्यादा और मनोहर थाना से कैलाश चंद 21 हजार से ज्यादा वोटो से हारने वालों में शामिल हैं।

- **सबसे बड़ी हार शाहपुरा भीलवाड़ा की थी, जयपुर शहर की सांगानेर और विद्याधर नगर में था हार का सबसे बड़ा अंतराल**

इन सभी सीटों पर प्रदेश चुनाव समिति में हुई आपसी बातचीत से स्क्रीनिंग कमेटी के सामने यही बात निकलकर आई है कि इन सभी सीटों पर इस बार नए लोगों को मौका दिया जाना चाहिए ताकि पार्टी के लिए अच्छे परिणाम आ सके। दरअसल इन सभी सीटों पर यह माना गया है कि जब कांग्रेस के पक्ष में माहौल के बावजूद यह उम्मीदवार इतने लंबे अंतराल से हारे हैं, तो अब जब पहले जैसी स्थितियां नहीं हैं, तो इन उम्मीदवारों के जीतने की संभावनाएं नगण्य जैसी है। ऐसे में यदि नए उम्मीदवार आते हैं, तो पार्टी के लिए पहले से बेहतर परिणाम हो सकते हैं। दरअसल स्क्रीनिंग समिति ने भी इस मापदंड को लेकर चर्चा की है और अब जब स्क्रीनिंग समिति सभी संभागों का दौरा करके अगली बैठक करेगी, तो इस बात पर विचार किया जाएगा कि इन सब की जगह नए और बेहतर विकल्प क्या हो सकते हैं।

'मुख्यमंत्री न्यायपालिका को ही कटघरे में खड़ा कर रहे हैं'

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के न्यायपालिका को लेकर दिए बयान पर ट्वीट के जरिए प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री आपको खुद की सरकार में हो रहा भ्रष्टाचार नजर नहीं आता और आप न्यायपालिका पर भ्रष्टाचार को लेकर सीधा हमला कर रहे हैं।

राठौड़ ने कहा कि संविधान के तीसरे स्तंभ के रूप में न्यायपालिका को कई व्यापक अधिकार संविधान में मिले हैं। संविधान के आर्टिकल 121 व 211 के अनुसार राज्य की विधायिका सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट और अधीनस्थ न्यायालयों के किसी भी न्यायाधीश के आचरण और कर्तव्य के बारे में कोई टीका टिप्पणी नहीं कर सकती है।

राठौड़ ने कहा कि इससे बड़े दुर्भाग्य की बात क्या होगी कि खुद संवैधानिक पद पर आसीन बयानवीर मुख्यमंत्री अब न्यायपालिका को ही कटघरे में खड़ा कर रहे हैं।